ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७७
दिनांक-शुक्रवार,२६ अक्टूबर,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.५ एवं १४.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ४४ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २१.३ एवं दोपहर में ३०.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२७ से ३१ अक्टूबर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २७ से ३१ अक्टूबर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३१ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १४ से १६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ४ से ६ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रबी फसलों की बुआई से पूर्व खेत की मिटटी की नमी की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। नमी के अभाव में बीजो का अंकुरण प्रभावित हो सकता है। अतः खेत की हल्की सिचाई कर उसके बाद बुआई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई सब्जियों एवं खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- आलू रोप के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। किसान भाई आलू के लिए खेत की तैयारी एवं रोपाई करें। *कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू-२ तथा राजेन्द्र आलू-३* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित किस्में है। बीज दर २०-२५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्रम नेत्रजन, ६० किलोंग्रम फास्फोरस एवं १०० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- रबी मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। इसकी बुआई १ नवम्बर से शुरु कर सकते हैं। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २* एवं *राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा* संकुल किस्में- *देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० x २० से०मी० रखें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए *रचना, मालवीय मटर-१५, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी० ऐल०-४२* किस्में अनुसंशित है। बीज दर ७५-८० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०x१० से०मी० रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन २-४-१, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुसंशित है। बीज दर ८-१० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला में क्यारियों की चौड़ाई १.० मीटर एवं लंबाई अपने सुविधानुसार ३ से ५ मीटर रख सकते है।
- लहसुन की बुआई करें। गोदावरी (सेलेक्सन-१), श्वेता (सेलेक्सन-१०), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी-११), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी-४१), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-३१३), जमुना सफेद-२ (जी०-५०), जमुना सफेद-३ (जी०-२८२), जमुना सफेद-४ (जी०-३२३) एवं आर०ए०यू० (जी-५) लहसुन की अनुसंशित किस्में है। बीज दर ३००-५०० किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी १५x१० से०मी० रखें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०x२० से०मी० रखें। बीज को २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- राई के वरुणा, पूसा वोल्ड एवं क्रान्ति किस्मों की बुआई करें। बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई ३०x१५ से०मी० पर कतार में करें।
- धान की तैयार फसलों की कटाई करें। कटाई के बाद धान की फसल को २-३ दिनों तक खेत में सूखने के लिए रहने दें एवं उसके बाद धान की झड़ाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३०.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.५ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी